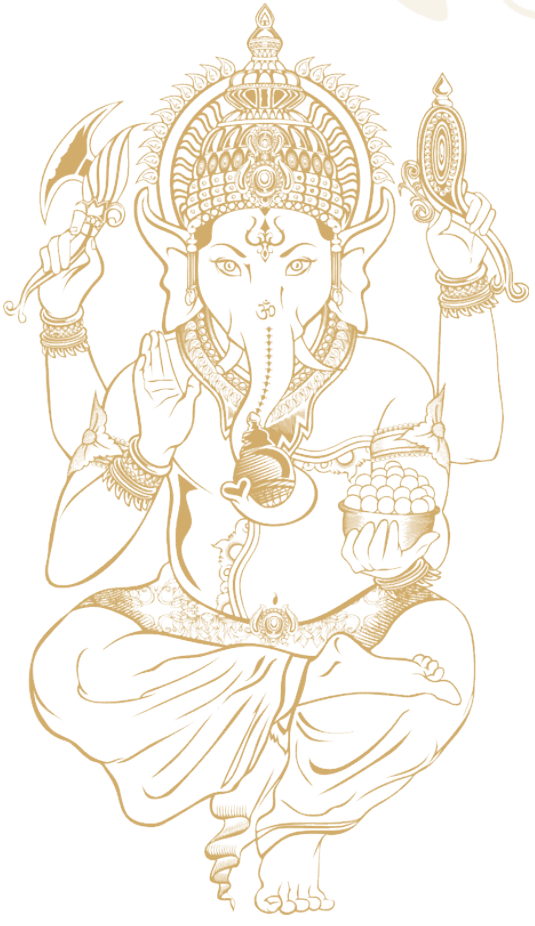

Mr.vipin kotnala

07 Dec 1987

04:23 AM

Saharanpur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120468204

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
6-07/12/1987	जन्म तिथि	**06/12/2025**
रवि-सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 04:23:00	जन्म समय	22:09:56 घंटे
घटी 53:23:48	जन्म समय(घटी)	37:49:40 घटी
India	देश	India
Saharanpur	स्थान	Saharanpur
उत्तर 29:58:00	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
पूर्व 77:33:00	रेखांश	77:33:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:28	सूर्योदय	07:02:03
17:19:49	सूर्यास्त	17:19:48
23:41:18	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:14

तुला	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
मिथुन	राशि	मिथुन
बुध	राशि-स्वामी	बुध
आर्द्रा	नक्षत्र	आर्द्रा
राहु	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	3
शुभ	योग	शुभ
गर	करण	वणिज
कू-कुणाल	जन्म नामाक्षर	ङ--
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
श्वान	योनि	श्वान
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार
38	गत/तत्कालिक वर्ष	39

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
स्वाति	3	15:59:36	तुला			लग्न			कर्क	25:27:11	3	आश्लेषा
ज्येष्ठा	2	20:35:35	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	20:35:36	2	ज्येष्ठा
आर्द्रा	1	09:09:58	मिथु			चंद्र			मिथु	15:01:06	3	आर्द्रा
स्वाति	3	14:42:17	तुला			मंगल		अ	वृश्चि	29:18:41	4	ज्येष्ठा
अनुराधा	3	11:34:53	वृश्चि		अ	बुध			वृश्चि	00:03:13	4	विशाखा
रेवती	3	26:12:10	मीन	व		गुरु	व		मिथु	29:54:23	3	पुनर्वसु
पूर्वाषाढ़ा	2	17:20:05	धनु			शुक्र			वृश्चि	13:08:18	3	अनुराधा
ज्येष्ठा	4	28:49:38	वृश्चि		अ	शनि			मीन	01:00:10	4	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	1	05:26:16	मीन	व		राहु	व		कुंभ	19:10:57	4	शतभिषा
उ०फाल्गुनी	3	05:26:16	कन्या	व		केतु	व		सिंह	19:10:57	2	पू०फाल्गुनी
मूल	1	02:27:51	धनु			मु			धनु	15:59:36	1	पूर्वाषाढ़ा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:14

लग्न-चलित

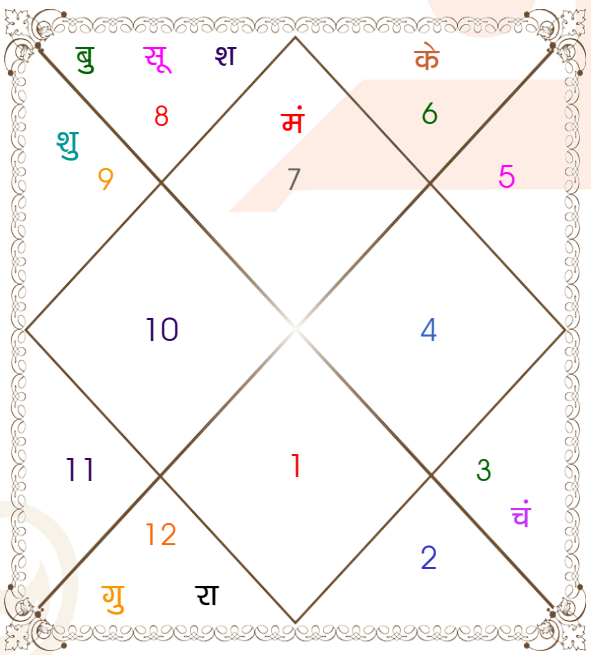

वर्ष लग्न कुंडली

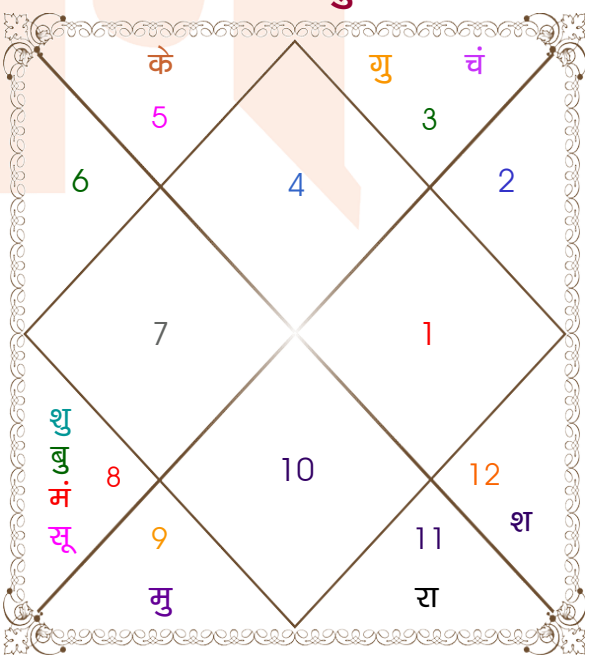

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शुक्र - सूर्य	
22/11/2025 17:42	
19/01/2026 13:39	
सूर्य	25/11/2025 15:06
चंद्र	30/11/2025 10:46
मंगल	03/12/2025 19:44
राहु	12/12/2025 11:55
गुरु	20/12/2025 04:59
शनि	29/12/2025 08:45
बुध	06/01/2026 13:22
केतु	09/01/2026 22:20
शुक्र	19/01/2026 13:39

शनि - शुक्र - चंद्र	
19/01/2026 13:39	
25/04/2026 22:54	
चंद्र	27/01/2026 14:26
मंगल	02/02/2026 05:22
राहु	16/02/2026 16:21
गुरु	01/03/2026 12:47
शनि	16/03/2026 19:03
बुध	30/03/2026 10:46
केतु	05/04/2026 01:42
शुक्र	21/04/2026 03:15
सूर्य	25/04/2026 22:54

शनि - शुक्र - मंगल	
25/04/2026 22:54	
02/07/2026 10:11	
मंगल	29/04/2026 21:22
राहु	10/05/2026 00:15
गुरु	19/05/2026 00:10
शनि	29/05/2026 16:33
बुध	08/06/2026 05:57
केतु	12/06/2026 04:24
शुक्र	23/06/2026 10:17
सूर्य	26/06/2026 19:15
चंद्र	02/07/2026 10:11

शनि - शुक्र - राहु	
02/07/2026 10:11	
22/12/2026 22:02	
राहु	28/07/2026 10:46
गुरु	20/08/2026 13:56
शनि	17/09/2026 01:13
बुध	11/10/2026 15:06
केतु	21/10/2026 17:59
शुक्र	19/11/2026 15:58
सूर्य	28/11/2026 08:09
चंद्र	12/12/2026 19:08
मंगल	22/12/2026 22:02

शनि - शुक्र - गुरु	
22/12/2026 22:02	
26/05/2027 03:14	
गुरु	12/01/2027 11:32
शनि	05/02/2027 21:33
बुध	27/02/2027 17:53
केतु	08/03/2027 17:47
शुक्र	03/04/2027 10:39
सूर्य	11/04/2027 03:43
चंद्र	24/04/2027 00:09
मंगल	03/05/2027 00:03
राहु	26/05/2027 03:14

शनि - शुक्र - शनि	
26/05/2027 03:14	
25/11/2027 06:24	
शनि	24/06/2027 03:08
बुध	20/07/2027 01:47
केतु	30/07/2027 18:10
शुक्र	30/08/2027 06:42
सूर्य	08/09/2027 10:27
चंद्र	23/09/2027 16:43
मंगल	04/10/2027 09:06
राहु	31/10/2027 20:23
गुरु	25/11/2027 06:24

शनि - शुक्र - बुध	
25/11/2027 06:24	
07/05/2028 02:56	
बुध	18/12/2027 11:31
केतु	28/12/2027 00:55
शुक्र	24/01/2028 08:20
सूर्य	01/02/2028 12:58
चंद्र	15/02/2028 04:40
मंगल	24/02/2028 18:04
राहु	20/03/2028 07:57
गुरु	11/04/2028 04:17
शनि	07/05/2028 02:56

शनि - शुक्र - केतु	
07/05/2028 02:56	
13/07/2028 14:12	
केतु	11/05/2028 01:23
शुक्र	22/05/2028 07:16
सूर्य	25/05/2028 16:14
चंद्र	31/05/2028 07:10
मंगल	04/06/2028 05:38
राहु	14/06/2028 08:31
गुरु	23/06/2028 08:25
शनि	04/07/2028 00:49
बुध	13/07/2028 14:12

शनि - सूर्य - सूर्य	
13/07/2028 14:12	
30/07/2028 22:36	
सूर्य	14/07/2028 11:02
चंद्र	15/07/2028 21:44
मंगल	16/07/2028 22:01
राहु	19/07/2028 12:28
गुरु	21/07/2028 19:59
शनि	24/07/2028 13:55
बुध	27/07/2028 00:54
केतु	28/07/2028 01:12
शुक्र	30/07/2028 22:36

शनि - सूर्य - चंद्र	
30/07/2028 22:36	
28/08/2028 20:34	
चंद्र	02/08/2028 08:25
मंगल	04/08/2028 00:54
राहु	08/08/2028 09:00
गुरु	12/08/2028 05:32
शनि	16/08/2028 19:25
बुध	20/08/2028 21:43
केतु	22/08/2028 14:12
शुक्र	27/08/2028 09:52
सूर्य	28/08/2028 20:34

शनि - सूर्य - मंगल	
28/08/2028 20:34	
18/09/2028 02:21	
मंगल	30/08/2028 00:54
राहु	02/09/2028 01:46
गुरु	04/09/2028 18:33
शनि	07/09/2028 23:27
बुध	10/09/2028 20:17
केतु	12/09/2028 00:37
शुक्र	15/09/2028 09:35
सूर्य	16/09/2028 09:52
चंद्र	18/09/2028 02:21

शनि - सूर्य - राहु	
18/09/2028 02:21	
09/11/2028 03:30	
राहु	25/09/2028 21:43
गुरु	02/10/2028 20:17
शनि	11/10/2028 02:04
बुध	18/10/2028 11:01
केतु	21/10/2028 11:53
शुक्र	30/10/2028 04:05
सूर्य	01/11/2028 18:32
चंद्र	06/11/2028 02:38
मंगल	09/11/2028 03:30

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप रक्त विकार से कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेंगी तथा मन से आप चिन्तित तथा व्याकुल रहेंगे। साथ ही आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता रहेगी जिससे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। शत्रुपक्ष या विरोधी इस समय आपसे संघर्ष के लिए तत्पर रहेंगे तथा आप उनका सामना करने के लिए उद्यत रहेंगे। इसी संघर्ष में आपको किसी शस्त्रादि से चोट लग सकती है लेकिन पराक्रम आपका बना रहेगा तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। साथ ही संघर्ष पूर्वक सुख संसाधनों की भी अल्प मात्रा में प्राप्ति होगी तथा न्यूनाधिक रूप से आप इनका उपभोग करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्वक आप इस क्षेत्र में उन्नति करेंगे एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही यदा कदा इसमें समस्याएं भी हो सकती है तथा हानि के अवसर भी आ सकते हैं अतः सावधान रहें। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञापालन में तत्पर रहें। इस वर्ष में आपकी प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः परिश्रम एवं संघर्ष करते रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।